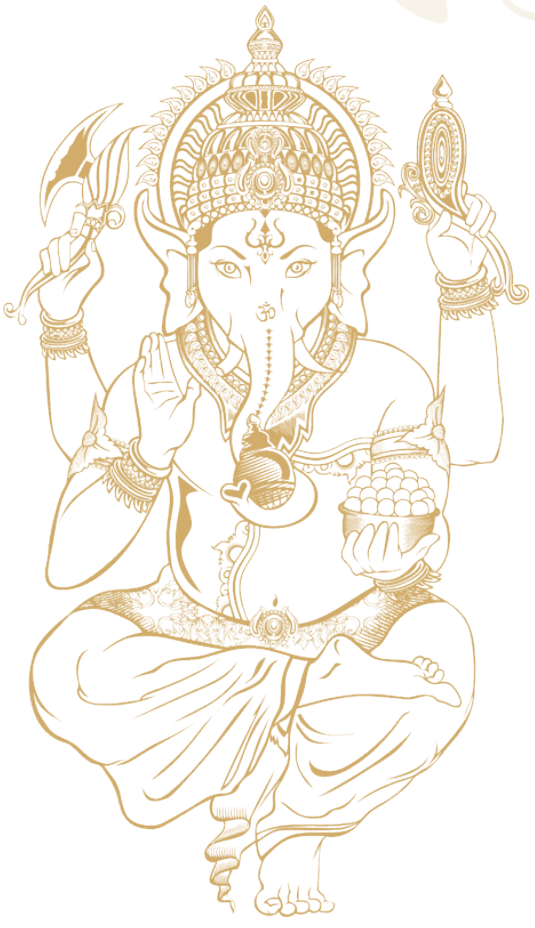

Antima

15 Feb 2008

04:11 AM

Jagadhri

Model: web-freekundliweb

Order No: 121184702

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**14-15/02/2008**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**04:11:00 घंटे**
इष्ट	52:50:38 घटी
स्थान	**Jagadhri**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	30:11:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:50:12 घंटे
वेलान्तर	-00:14:14 घंटे
साम्पातिक काल	13:27:31 घंटे
सूर्योदय	07:02:44 घंटे
सूर्यास्त	18:07:39 घंटे
दिनमान	11:04:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	01:38:48 कुम्भ
लग्न के अंश	12:49:19 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	ऐन्द्र
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ओ-ओमवती
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	12:49:19	343:56:17	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			कुंभ	01:38:48	01:00:38	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	12:09:13	14:11:14	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	मूलत्रिकोण
मंगल			मिथु	01:26:06	00:10:12	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	शत्रु राशि
बुध	व		मक	15:25:40	00:31:44	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	सम राशि
गुरु			धनु	18:48:21	00:11:51	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	स्वराशि
शुक्र			मक	02:38:51	01:14:04	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
शनि	व		सिंह	11:56:36	00:04:43	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
राहु	व		कुंभ	03:45:32	00:00:04	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	03:45:32	00:00:04	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	23:22:53	00:03:15	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शनि	---
नेप			मक	27:53:24	00:02:17	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
प्लूटो			धनु	06:34:55	00:01:27	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	---
दशम भाव			कन्या	29:40:08	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:58:24

लग्न-चलित

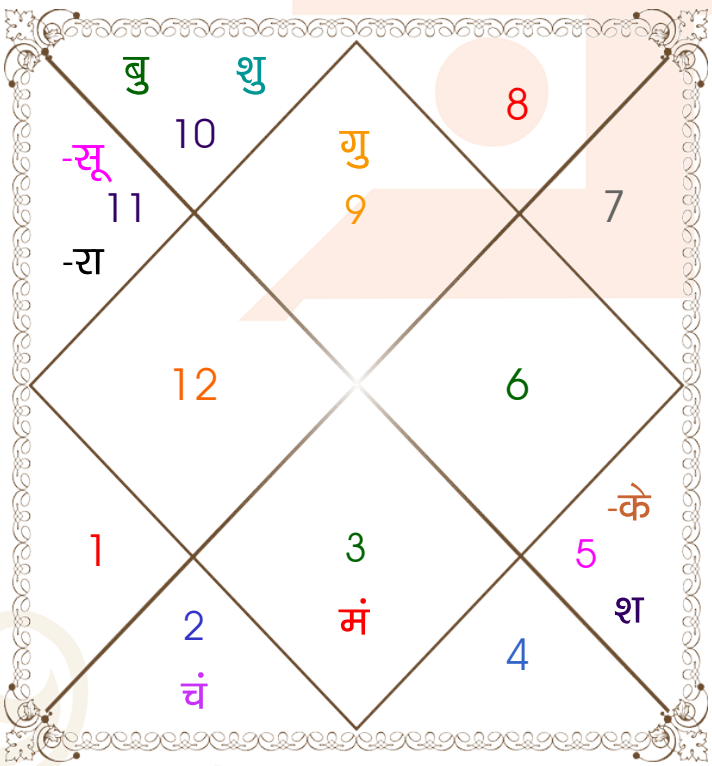

चन्द्र कुंडली

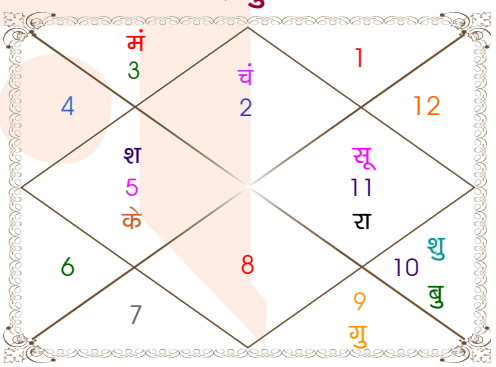

नवमांश कुंडली

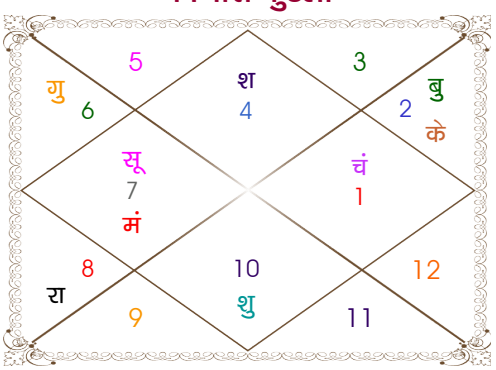

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 8 वर्ष 4 मास 18 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
15/02/2008		04/07/2016		05/07/2023		05/07/2041		05/07/2057	
04/07/2016		05/07/2023		05/07/2041		05/07/2057		04/07/2076	
	00/00/0000	मंगल	30/11/2016	राहु	17/03/2026	गुरु	23/08/2043	शनि	07/07/2060
	15/02/2008	राहु	19/12/2017	गुरु	10/08/2028	शनि	05/03/2046	बुध	17/03/2063
राहु	04/06/2009	गुरु	25/11/2018	शनि	17/06/2031	बुध	10/06/2048	केतु	25/04/2064
गुरु	04/10/2010	शनि	04/01/2020	बुध	03/01/2034	केतु	17/05/2049	शुक्र	26/06/2067
शनि	04/05/2012	बुध	31/12/2020	केतु	22/01/2035	शुक्र	16/01/2052	सूर्य	07/06/2068
बुध	04/10/2013	केतु	29/05/2021	शुक्र	21/01/2038	सूर्य	03/11/2052	चंद्र	06/01/2070
केतु	05/05/2014	शुक्र	29/07/2022	सूर्य	16/12/2038	चंद्र	05/03/2054	मंगल	15/02/2071
शुक्र	04/01/2016	सूर्य	04/12/2022	चंद्र	16/06/2040	मंगल	09/02/2055	राहु	22/12/2073
सूर्य	04/07/2016	चंद्र	05/07/2023	मंगल	05/07/2041	राहु	05/07/2057	गुरु	04/07/2076

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
04/07/2076		05/07/2093		05/07/2100		05/07/2120		06/07/2126	
05/07/2093		05/07/2100		05/07/2120		06/07/2126		00/00/0000	
बुध	01/12/2078	केतु	01/12/2093	शुक्र	05/11/2103	सूर्य	23/10/2120	चंद्र	06/05/2127
केतु	28/11/2079	शुक्र	31/01/2095	सूर्य	04/11/2104	चंद्र	23/04/2121	मंगल	05/12/2127
शुक्र	28/09/2082	सूर्य	08/06/2095	चंद्र	06/07/2106	मंगल	29/08/2121	राहु	16/02/2128
सूर्य	04/08/2083	चंद्र	07/01/2096	मंगल	05/09/2107	राहु	24/07/2122		00/00/0000
चंद्र	03/01/2085	मंगल	04/06/2096	राहु	05/09/2110	गुरु	12/05/2123		00/00/0000
मंगल	31/12/2085	राहु	22/06/2097	गुरु	06/05/2113	शनि	23/04/2124		00/00/0000
राहु	19/07/2088	गुरु	29/05/2098	शनि	05/07/2116	बुध	28/02/2125		00/00/0000
गुरु	25/10/2090	शनि	08/07/2099	बुध	06/05/2119	केतु	06/07/2125		00/00/0000
शनि	05/07/2093	बुध	05/07/2100	केतु	05/07/2120	शुक्र	06/07/2126		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 8 वर्ष 4 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपनी जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किन्चित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आप अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सकें। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकती हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखें।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहती हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगी एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगी तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगी। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगी। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगी। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति की प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगी। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगी तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगी तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतती रही तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगी। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।